Roll No.: .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 1

W-851

M.A. (Final Year) Examination, (Distance Mode) June-2020

HINDI LITERATURE

Paper - II

Aadhunik Gadhya Sahitya

Time : Three Hours

Maximum Marks : 70

Minimum Pass Marks : 21

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Q.1. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 3×10=30

i) विपन्नता के अथाह सागर में सोहाग ही वह तृण था जिसे पकड़े हुये वह सागर को पार कर रही थी। इन असंगत शब्दों ने यथार्थ के निकट होने पर भी मानो झटका देकर उसके हाथ से वह तिनके का सहारा छीन लेना चाहताहै, बल्कि यथार्थ के निकट होने के कारण ही उनमें इतनी वेदना शक्ति आ गई थी। काना कहने से काने को तो दुख होता हैं, वह क्या दो ऑखो वाले आदमी को हो सकता हैं।

ii) जिस समाज में रात दिन मेहनत करने वालों की हालत उनकी हालत से बहुत कुछ अच्छी न थी और किसानों के मुकाबले में वे लोग, जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, कहीं ज्यादा सम्पन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा हो जाना कोई अचरज की बात न थी। हम तो कहेगे, घीसू किसानों से कहीं ज्यादा विचारवान था और किसानों के विचारशून्य समूह में शामिल होने के बदले बैठक बाजों को कुत्सिव मंडली में जा मिला था।

iii) प्रेम की भाषा शब्द रहित हैं। नेत्रों की, कपोलों की मस्तक की भाषा भी शब्द रहित हैं। जीवन का तत्व भी शब्द से परे है। सच्चा आचरण प्रभाव, शील अचल स्थित संयुक्त आचरण–न तो साहित्य के लंम्वे व्याख्यानों से गढ़ा जा सकता हैं, न वदे की श्रुतियों के मीठे उपदेश से, न इंजील से, न कुरान से न धर्मचर्चा से, न केवल सत्संग से। जीवन के अरण्य में धँसे हुये पुरुष के हृदय पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के यत्न से सुनार के छोटे हथोड़े की मंद मंद चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता हैं।

Q.2. 'स्कन्दगुप्त' नाटक की नाटकीय तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए। 10

Q.3. फणीश्वरनाथ रेणु ने लोक संस्कृति लोख विश्वासों और लोगों के जीवन चक्र पर पड़ने वाले प्रभावों को गहरी आत्मीयता से उकेरा हैं। 'मैला ऑचल' के परिपेक्ष्य में इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 10

Q.4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त उत्तर दीजिए। 2×5=10

i) कमलेश्वरजी के व्यक्तित्व और कृत्तित्व पर प्रकाश डालिए।

ii) जेनेन्द्र की कहानी कला की विशेषताए लिखिए।

Q.5. निम्नलिखित अतिलघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5×2=10

i) गोदान किस पात्र की जीवन गाथा हैं।

ii) लहरों के राजहंस के रचनाकार का नाम बताइये।

iii) जयशंकर प्रसाद के दो ऐतिहासिक नाटकों के नाम बताइये।

iv) हिन्दी साहित्य में निबन्ध लेखन किस युग से प्रारम्भ हुआ।

v) अंधायुग के रचनाकार का नाम लिखिये।